Newspaper Clips

May 21-23, 2016

May 23

Amar Ujala ND 23/05/2016 P-12

अब जेईई एडवांस में छात्रों को मिलेगा पार्सल स्कीम का लाभ

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। देशभर के आईआईटी में दाखिले के लिए रविवार को जेईई एडवांस की परीक्षा आयोजित हुई, जिसमें करीब दो लाख छात्रों ने रजिस्ट्रेशन करवाया था। छात्रों का कहना है कि पेपर पाठ्यक्रम से ही आया था। दो पालियों में चली परीक्षा के पहले पेपर में छात्रों को गणित के सवालों ने उलझाया। हालांकि दूसरा पेपर अधिक मुश्किल नहीं था। खास बात यह है कि छात्रों को पहली बार पार्सल स्कीम का लाभ मिलेगा।

जेईई एडवांस की परीक्षा दो पालियों में आयोजित हुई। पहली पाली की परीक्षा सुबह नौ से 12 बजे और दूसरी दोपहर दो से पांच बजे के बीच चली। दोनों पालियों के पेपर 186-186 अंकों के थे। पार्ट वन और पार्ट टू को तीन-तीन सेक्शन में बांटा गया था। इन सेक्शन में 18 प्रश्न थे। छात्रों के मुताबिक पेपर पाठ्यक्रम पर आधारित था, लेकिन पहले पेपर में गणित के सवालों ने थोड़ा उलझाया। हालांकि पार्सल स्कीम के चलते राहत भी रहेगी। परीक्षार्थियों ने बताया कि पहले एक पार्ट के यदि चार सवाल होते थे, तो उसमें से कोई एक भी गलत जवाब लिख दिया, तो सारे नंबर कट जाते थे। हालांकि इस बार पार्सल स्कीम के चलते अगर किसी पार्ट के चार

आईआईटी में दाखिले के लिए रविवार को जेईई एडवांस की परीक्षा हुई

पहले पेपर में गणित के सवालों ने छात्रों को उलझाया, दो पालियों में चली परीक्षा

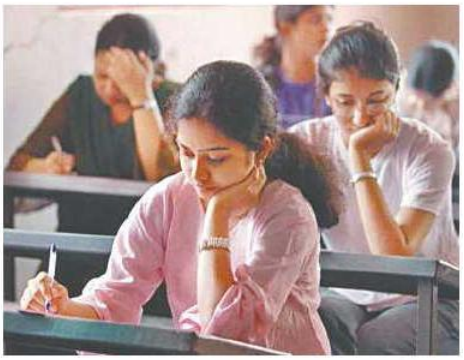

सवाल में से एक सवाल भी सही लिखा है, तो उसके नंबर मिलेंगे। हालांकि यदि एक सही और एक गलत जवाब दिया, तो गलत जवाब देने पर दो अंक काट लिए जाएंगे। नकल रोकने के लिए सख्ती के चलते इस बार छात्रों के जूते भी क्लास रूम से बाहर उतरवा लिए गए। पानी की बोतल ले जाने की मनाही थी। इसके अलावा फुलबाजू की शर्ट, बड़े बटन, ईयररिंग के अलावा गजेट्स पर भी रोक रही। मालूम हो कि जेईई मेन्स की परीक्षा में 11 लाख 94 हजार 938 में से दो लाख छात्रों ने जेईई एडवांस के लिए क्वालीफाई किया था।

Dainik Jagran ND 23/05/2016 P-08

मुस्कुराहट बरकरार रखेगा कृत्रिम मसूड़ा

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : चेहरे की खूबसूरती बरकरार रखने में मुंह के मसूड़े और दांत की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। यदि मसूड़ा खराब हो जाए तो दांत टूटते ही चेहरे की रौनक भी चली जाती है, लेकिन देश के दो बड़े संस्थान एम्स व भारतीय प्रोद्यौगिकी संस्थान (आइआइटी), दिल्ली मिलकर ऐसा कृत्रिम मसूड़ा तैयार कर रहे हैं जो मुंह के जबड़ों के अधिक अनुकूल होगा।

वह जबड़े की कोशिकाओं के साथ आसानी से लग जाएगा व उसमें जकड़न भी प्राकृतिक मसूड़ों की तरह होगी। इसलिए यह चेहरे की मुस्कराहट बरकरार रखने में मददगार होगा।

अक्सर लोग दांतों की बीमारी को गंभीरता से नहीं लेते। इसका समय पर इलाज नहीं होने से मसूड़े की मांसपेशियां खराब होने लगती हैं और उनमें दांतों की पकड़ कमजोर हो जाती है। इसके चलते दांत टूटने लगते हैं। ऐसी परिस्थिति में इलाज के लिए मसूड़े का कृत्रिम इंप्लांट मौजूद है। एम्स के दंत शिक्षा और शोध केंद्र के प्रमुख डॉ. ओपी खरबंदा ने कहा

- आइआइटी, दिल्ली के साथ मिलकर मसूड़े का स्वदेशी इंप्लांट तैयार कर रहा है एम्स
- मौजूदा समय में उपलब्ध कृत्रिम मसूड़ों से अधिक बेहतर और सुविधाजनक होगा

कि अभी जो इंप्लांट मौजूद हैं वह धीरे-धीरे लूज हो जाते हैं। इसके चलते उनमें अनाज का टुकड़ा भी फंस जाता है। इस वजह से मुंह में संक्रमण होने का खतरा रहता है। इसे ध्यान में रखते हुए आइआइटी, दिल्ली और एम्स के पैथोलॉजी विभाग के साथ मिलकर ऐसा मसूड़ा तैयार किया जा रहा है, जो जबड़े की कोशिकाओं के अनुकूल हो। फिलहाल उसका 3डी कल्चर किया जा रहा है।

बाद में उसमें नैनो तकनीक का इस्तेमाल भी किया जाएगा। इस शोध में शामिल एम्स के पैथोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. एके डिंडा ने कहा कि शरीर की कोशिकाओं की संरचना 3डी कल्चर पर आधारित है। इसलिए इंप्लांट तैयार करने के बाद अब 3डी तकनीक के सहारे उसके बाहर कोशिकाओं का विकास कर परीक्षण किया जा रहा है। परीक्षण सफल होने के बाद उसे जबड़े में लगाकर परीक्षण किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि यह मौजूदा इंप्लांटों की तरह ढीला नहीं होगा और संक्रमण का खतरा भी नहीं रहेगा। दूसरी बात यह है कि दांतों के ज्यादातर इंप्लांट विदेश से आते हैं। इसके चलते उसका खर्च भी ज्यादा होता है। इसलिए स्वदेशी इंप्लांट तैयार होने से मरीजों को फायदा होगा।

Nai Duniya ND 23.05.2016 P-05

बिजली की बचत को लेकर बनाई डिवाइस

आईआईटी चेन्नई से जर्मनी पहुंचा खंडवा का एकांश

खंडवा। आईआईटी चेन्नई में अध्ययनरत खंडवा के युवक एकांश का चयन जर्मनी में ट्रेनिंग के लिए हुआ है। इसके साथ ही वह

- सेकंड ईयर में बना सेटेलाइट टीम का हिस्सा

एकांश जैन

आईआईटी की सेटेलाइट टीम का हिस्सा भी है। बिजली की बचत को लेकर एकांश द्वारा बनाई गई डिवाइस जर्मनी की कंपनी को इतनी पसंद आई कि उसे बीच कोर्स में ही इंटर्नशिप के लिए बुला लिया।

10वीं तक खंडवा के सेंट जोसफ स्कूल में पढ़ाई के बाद एकांश ने हायर सेकंडरी इंदौर के ग्रीन फील्ड स्कूल से की। 2014 में पहले ही प्रयास में आईआईटी चेन्नई में एकांश का चयन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के लिए हो गया था। सेकंड ईयर में पहुंचते ही एकांश को संस्था ने अपनी सेटेलाइट टीम का हिस्सा बना लिया। छात्र ने प्रैक्टिकल कार्य के दौरान एक ऐसी डिवाइस तैयार की जो बिजली बचाने में काफी कारगर है। यह डिवाइस जर्मनी की कंपनी को पसंद आई और उन्होंने एकांश को इंटर्नशिप ऑफर की।

कॉलेज से अनुमति मिलने के बाद एकांश 15 मई को जर्मनी के लिए रवाना हुआ। छात्र की इस उपलब्धि से परिवार और शहरवासियों में हर्ष है।

एकांश के पिता राजेश जैन ओंकारेश्वर रोड स्टेशन के प्रबंधक व पोरवाड़ जैन युवा मंच के अध्यक्ष हैं। मां वर्षा जैन पार्श्वनाथ महिला मंडल की अध्यक्ष हैं और छोटा भाई रिष्विक आईआईटी में प्रवेश की तैयारी कर रहा है।

Pioneer ND 23/05/2016 P-05

HRD Min to soon launch multilingual knowledge portal

PNS ■ NEW DELHI

In order to promote and simultaneously empower all the Indian languages, the Centre is coming out with an ambitious project namely Bharatvani. As part of creating a knowledge society in the age of digital India call by Prime Minister Narendra Modi, the HRD Ministry has developed a multilingual knowledge portal making it the largest language portal in the world.

The major objectives of Bharatavani would be to develop e-content in all languages and disseminate country's classical literature in different languages through the use of information and communication technology which would be monitored by Central Institute of Indian Languages, Mysuru.

The contents which would be made available on *www.bharatavani.in.* will be an aggregate of multimedia content from all the Indian writers, government and non-governmental institutions, educational institutions like boards of education, textbook corporations, universities, academies, publication houses, etc. which would provide a single window for all the IT related activities like language tools such as fonts, software, typing tools, mobile apps, multi language translation tools, text to speech, speech to text, etc. in Indian languages.

The first of its kind aim is to further develop knowledge and learning portal accessible to all sections of society; make all languages compatible with modern technology and promote their online usage; make Indian languages visible on the Internet on a large scale; give a boost to research in Indian languages; provide endangered, minor and tribal languages a prominent place and provide opportunities for skill development and constructive engagement to the youth.

The content will also delve on conducting on-line language teaching-learning courses especially in scheduled, non-scheduled, minor and tribal languages used in education; cross link agriculture, business, health, education, social sector, etc. for timely delivery of services and other important portals so that all citizens get knowledge and information in their own languages on a single portal.

"India has an illustrious history of linguistic and cultural plurality that has sustained through several millennia. In India, multilingualism is considered an asset or an invaluable resource. The language vitality - capacity of a language to live, grow, and develop - depends upon various factors such as social status, demography, and institutional support. Access to information and communication technology in their own language is one of the ways to empower the people and enhance the vitality of a language. The visibility of these languages in public domains will enhance their self-esteem and self-confidence," said a HRD Ministry official.

IIT-G to conduct Nasa tour for school champions

http://timesofindia.indiatimes.com/city/guwahati/IIT-G-to-conduct-Nasa-tour-for-school-champions/articleshow/52394308.cms

Guwahati: IIT-Guwahati will conduct a tour to NASA's Ames Research Centre in California in USA for the champions of Technothlon - the International School Championship - to be held in the institute as a part of its Annual Techno-Management Festival, Techniche, this year.

Technothlon has become an event that serves as a platform for the students to showcase their innovation and creativity in all its rawness. Considering the dire need of technical exposure for the school students, the student fraternity of IIT-Guwahati will organize Technothlon . "This year, Technothlon offers the mega prize of a guided tour to NASA's Ames Research Centre in California to the champions," said a statement issued by the organizers. The competition would be held in two phases - preliminary round and mains.

The Phase-I will be conducted in over 350 centres across the country and is scheduled for July 17 wherein the students will be divided into Junior Squad (Classes IX-X) and the Hauts Squad (Classes XI-XII).

"Round-I will be based on logic, analytical ability and practical observations and will be totally different from that of any other competitive examination. The spontaneity and out-of-the-box thinking abilities of the candidates will be put to test," the statement said.

The top 50 teams, each comprising two members, from each squad will be invited for the final round - Mains, to be held on the IIT Guwahati campus during Techniche, which will start from September 1 and continue till 4 .

Technothlon has introduced a new initiative, 'Tech Analysis Report' to provide a thorough analysis of the strengths and weakness of the students with respect to the topics.

IIT-Kharagpur goes digital

http://www.thehindu.com/todays-paper/tp-features/tp-educationplus/iitkharagpur-goes-digital/article8633663.ece

The National Digital Library that was initiated by the Ministry of HRD to create a national online educational asset for students interested in innovation and research, was handed over to IIT-Kharagpur to initiate, conceptualise and execute, in 2014.

The pilot project has now taken shape and according to professor Das, professor at Computer Science Engineering Department and one of the core team members of NDL said, “Every university has its own digital archive of its intellectual output and syllabus, known as the Institutional Digital Repository (IDR), whose access is limited to the university’s own staff and students. The NDL is modelled on the IDR, but will consist of IDRs of several universities and any student will be free to access it. For instance, a student of IIT Madras will be able to access study material of a specialisation taught exclusively at IIT Kharagpur.”

With NDL, IIT Kharagpur is in process of making education more interactive and advanced. The National Digital Library is a big step towards improvement and advancement in education sector, said Prof. Das.

May 22

Hindu ND 22.05.2016 P-2

All-India topper eyes "bigger" goals

SWETA GOSWAMI

NEW DELHI: Being the all-India topper in the Central Board of Secondary Education (CBSE) Class XII examinations was never a "target" for Delhi's Sukriti Gupta.

Instead, her aim is to clear the Joint Entrance Examination (Advanced) examinations, for which she has to appear on Sunday. Expressing happiness over her score of 99.4 per cent, Sukriti said she has "bigger goals" in store.

A student of Montfort Senior Secondary School in Ashok Vihar here, she was just three marks short of scoring a perfect 500 in the board exam.

Speaking to *The Hindu*, she said: "I am happy, but I can't let this achievement make me overconfident. Getting into the Indian Institute to Technology Delhi or Mumbai with my preferred branch [computer science] has always been my target."

She scored 100 in both physics and chemistry, and 99 in mathematics, English and computer Science. A Chinese food lover, Sukriti has been preparing for engineering entrances, especially the JEE, since Class VIII.

WINNING SMILES: All-India CBSE Class XII topper Sukriti Gupta flanked by her parents Renuka Jain Gupta and Rakesh Gupta at Ashok Vihar on Saturday. — PHOTO: SHIV KUMAR PUSHPAKAR

Topper genes

"I have been taking IIT coaching for almost five years now. It was my choice to prepare for the entrances since Class VIII. My parents let me make that decision."

It won't be wrong to say that being a topper is in Sukriti's genes.

Her father Rakesh Gupta was the Class XII topper from Rajasthan Board and studied electrical engineering from IIT-Delhi, after which he did MA and M Phil in economics and public administration respectively.

Her mother Renuka Jain Gupta was the Delhi topper in physics in 1984 and studied at the prestigious Delhi Technological University (DTU). The couple later cleared the Union Public Service Commission exams and are now Commissioners in the Income Tax department.

"The whole year, Sukriti focussed on IIT entrances. After her pre-boards results, we told her it was time for her to divert attention to the Class XII exams. She began studying seriously for board exams from January end onwards," said her mother.

Sitting with his elder daughter, who is studying in DTU, Mr. Gupta said: "It's a matter of chance that she topped the exams. The emphasis should be on marks. That way, every child who has scored well is a topper."

On her preparation technique, Sukriti said: "Many students try to stay ahead of what is being taught in class. I never did that, as that can make you overconfident as exams approach. Instead, the focus should be on getting your concepts clear as and when doubts occur. Piling them up for later only makes you panic."

May 21

Virat Vaibhav ND 21/05/2016 P-11

एनआईटी में चल रही पांच दिवसीय कार्यशाला संपन्न

वैभव न्यूज.■ चंडीगढ़

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) में इलेकिट्रकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा नॉनलीनियर सिस्टमस् एंड कंट्रोल विषय पर आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का समापन शुक्रवार को किया गया। पांच दिवसीय यह कार्यशाला टैकिप-2 द्वारा प्रायोजित थी। इस कार्यशाला के संयोजक प्रो. अखिलेश स्वरूप, डीन (शिक्षक-कल्याण) एवं प्रो. सतहंस, डीन (छात्र-कल्याण) ने बताया कि यह कार्यशाला 16 मई से प्रारंभ होकर 20 मई 2016 तक चली जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों जैसे चेन्नई, भोपाल, जयपूर, गाजियाबाद, पटियाला, चण्डीगढ़ इत्यादि जगहों से तकनीकी संस्थानों के 27 प्राध्यापकगणों एवं शोधकत्ताओं ने भाग लिया। कार्यशाला के दौरान नॉनलीनियर सिस्टमस् एंड कंट्रोल विषय से सम्बंधित तकनीकों एवं उनकी बारिकियों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से आए हुए विषय विशेषज्ञों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। उल्लेखनीय रूप से प्रो. आई.एन.कर (आइ.आइ.टी. दिल्ली), प्रो. ए.के. टंगीराला (आइ.आइ.टी. मद्रास), प्रो. एस.एन. शर्मा (एस.वी. एनआइटी, सूरत), डा. निधिका बिरला के नाम शामिल है। इलेकिट्रकल अभियांत्रिकी विभाग के प्राध्यापकों ने भी अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए।

Amar Ujala ND 21/05/2016

जेईई एडवांस का एग्जाम रविवार को

कानपुर (ब्यूरो)। देश की सभी आईआईटी और आईएसएम धनबाद में एडमिशन के लिए ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जाम (जेईई) एडवांस 2016 रविवार (22 मई) को है। बीई, बीटेक, बी. प्लानिंग और बी. आर्किटेक्चर का एंट्रेंस शहर के नौ केंद्रों पर होगा। इन केंद्रों पर 3350 स्टूडेंट पेपर देंगे। आईआईटी कानपुर परिक्षेत्र के यूपी, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में 45 एग्जामिनेशन सेंटर बने हैं। इन सेंटरों पर 18 हजार 111 स्टूडेंट पेपर देंगे, जबकि देश भर में एक लाख 52 हजार छात्र परीक्षा देंगे। खास बात यह है कि स्टूडेंट रिस्ट वॉच (सुई वाली घड़ी) पहनकर पेपर दे सकेंगे।

AICTE asks technical institutes to offer 10% of courses as MOOCs

http://www.business-standard.com/article/current-affairs/aicte-asks-technical-institutes-to-offer-10-of-courses-as-moocs-116052001002_1.html

Council allows institutes to fill 20% faculty positions from industry

In a bid to boost quality education across technical institutes, the All India Council for Technical Education (AICTE) has this year mandated that 10 per cent of courses be taken up through massive online open courses (MOOCs) to encourage credit based learning.

On the other hand, to bridge the industry-academia gap as well as reduce faculty shortage, the council is setting up a faculty development centre at Vadodara this year.

Given the industry's feedback on unemployability of students, AICTE has also asked institutes to take 20 per cent of the faculty from industry bodies as adjunct faculty members under the revised norms this year.

"We are looking at improving quality of institutes and taking several steps accordingly.When industry representatives will come to teach at campuses, automatically there will be friendship and synergy with the faculty, which should reduce the industry-academia gap and help students become more employable," Anil Sahasrabudhe, chairman of the All India Council for Technical Education (AICTE) told *Business Standard*.

The council expects number of engineering seats to reduce this year from 1.8 million to 1.6 million even as roughly 200 institutes are likely to close down. "We received applications for closure from over 300 institutes but gave approval to only 150-200 such institutes. Similarly, this year around 600 new institutes have applied for approval, of which 100-150 new institutes have been approved by AICTE. However, most number of applications for new institutes have been for pharmacy colleges," said Sahasrabudhe.

According to the AICTE chairman, there are currently 10,800 technical institutes, including engineering, management, pharmacy, architecture and hotel management. He added that in all 150,000 technical seats including engineering and management fall vacant every year.

Meanwhile, asserting on faculty shortage, Sahasrabudhe said that educational institutes in the country were facing a faculty shortage of around 30 per cent, thereby impacting the quality of education. The council is banking on the 20 per cent induction of faculty from industry to address the issue as well as enhance employability of students.

.